अभ्यास पत्रक

पाठ: 10 - मीरा के पद

नाम :- ..... कक्षा :- ..... अवधि :- ..... अनुक्रमांक :- ..... प्राप्तांक :- .....

---

1. निम्नलिखित बहुविकल्पीय प्रश्नों के सही उत्तर चुनें। (5 अंक)

(i) मीरा अपने नयनों (नैनन) में किसे बसाना चाहती हैं?

(क) संतों को (ख) नंदलाल (श्रीकृष्ण) को (ग) गोपाल को (घ) भक्तों को

(ii) श्रीकृष्ण के होठों (अधर) पर क्या शोभायमान है?

(क) वैजंती माला (ख) अमृत रस से भरी मुरली

(ग) मोर मुकुट (घ) विशाल नैना

(iii) श्रीकृष्ण के हृदय (उर) पर कौन-सी माला है?

(क) फूलों की माला (ख) मोतियों की माला

(ग) वैजंती माल (घ) सोने की माला

(iv) "क्षुद्र घंटिका कटितट सोभित" पंक्ति में 'कटितट' का क्या अर्थ है?

(क) गला (ख) हाथ (ग) पैर (घ) कमर

(v) मीरा के प्रभु कैसे हैं?

(क) केवल भक्तों पर कृपा करने वाले (ख) केवल संतों को सुख देने वाले

(ग) संतों को सुख देने वाले और भक्तवत्सल (घ) केवल नंद के लाल

2. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक वाक्य में दें। (5 अंक)

(i) पहले पद में श्रीकृष्ण की सूरत (चेहरे) को कैसा बताया गया है?

उत्तर- .....

(ii) श्रीकृष्ण के नैन कैसे हैं?

उत्तर- .....

(iii) श्रीकृष्ण की कमर पर क्या सुशोभित है?

उत्तर- .....

(iv) श्रीकृष्ण के पैरों में पहने आभूषण से कैसी ध्वनि आती है?

उत्तर- .....

(v) मीरा ने श्रीकृष्ण को 'भक्त वत्सल' क्यों कहा है?

egyanarchive

उत्तर- .....

3. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में दें। (3 x 2 = 6 अंक)

(i) "मोहनि मूरति साँवरि सूरति" - इन पंक्तियों का भाव स्पष्ट कीजिए।

उत्तर- .....

.....

(ii) मीरा श्रीकृष्ण के कौन-से दो आभूषणों का वर्णन करती हैं?

उत्तर- .....

.....

(iii) मीरा श्रीकृष्ण से अपने नयनों में बसने की विनती क्यों कर रही हैं?

उत्तर- .....

.....

4. निम्नलिखित दीर्घ उत्तरीय प्रश्न का उत्तर विस्तार से दें। (4 अंक)

(i) पहले पद के आधार पर श्रीकृष्ण के सौंदर्य का अपने शब्दों में वर्णन कीजिए।

उत्तर- .....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

egyanarchive

उत्तर कुंजी (वर्कशीट - 1)

1. बहुविकल्पीय प्रश्न:

(i) (ख) नंदलाल (श्रीकृष्ण) को

(ii) (ख) अमृत रस से भरी मुरली

(iii) (ग) वैजंती माल

(iv) (घ) कमर

(v) (ग) संतों को सुख देने वाले और भक्तवत्सल

2. एक वाक्य में उत्तर:

(i) पहले पद में श्रीकृष्ण की सूरत को साँवली (साँवरि) बताया गया है।

(ii) श्रीकृष्ण के नैन विशाल (बड़े) हैं।

(iii) श्रीकृष्ण की कमर पर छोटी-छोटी घंटियाँ (क्षुद्र घंटिका) सुशोभित हैं।

(iv) श्रीकृष्ण के पैरों में पहने नूपुर (घुँघरू) से रसीली (रसाल) ध्वनि आती है।

(v) मीरा ने श्रीकृष्ण को 'भक्त वछल' (भक्तवत्सल) इसलिए कहा है क्योंकि वे अपने भक्तों से बहुत स्नेह करते हैं।

3. संक्षिप्त उत्तर:

(i) इन पंक्तियों का भाव है कि श्रीकृष्ण का साँवला स्वरूप मन को मोह लेने वाला है। उनकी मनमोहक मूर्ति और साँवली सूरत अत्यंत आकर्षक है।

(ii) मीरा श्रीकृष्ण के दो आभूषणों का वर्णन करती हैं: एक उनके हृदय पर पड़ी 'वैजंती माला' और दूसरी उनकी कमर पर बंधी 'छोटी-छोटी घंटियाँ'।

(iii) मीरा श्रीकृष्ण से अपने नयनों में बसने की विनती इसलिए कर रही हैं ताकि वे हर क्षण अपने आराध्य के सुंदर और मनमोहक रूप का दर्शन कर सकें और उनकी छवि हमेशा उनकी आँखों में समाई रहे।

4. दीर्घ उत्तरीय उत्तर:

(i) पहले पद के अनुसार, श्रीकृष्ण का सौंदर्य अलौकिक है। उनका साँवला रूप मन को मोह लेता है। उनकी आँखें बड़ी-बड़ी और विशाल हैं। उनके अमृत रस से भरे होठों पर मुरली सुशोभित है और उनके वक्ष पर वैजंती फूलों की माला शोभा दे रही है। उनकी कमर पर छोटी-छोटी घंटियों की करधनी बंधी है और पैरों में पहने घुँघरुओं की ध्वनि बहुत मधुर और रसीली है। श्रीकृष्ण का यह रूप संतों को सुख देने वाला है और वे अपने भक्तों पर अत्यंत स्नेह रखते हैं। मीरा इसी मनमोहक रूप को अपनी आँखों में बसा लेना चाहती हैं।